# गुरु गोबिद सिह जी की 358वीं जयंती

**स्रोत: पी.आई.बी**

हाल ही में प्रधानमंत्री ने सिखों के 10वें गुरु, **गुरु गोविद सिह जी** को उनकी 358वीं जयंती (जिसे **प्रकाश उत्सव** के रूप में मनाया जाता है) पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

- उनकी जयंती **नानकशाही कैलेंडर (सौर वर्ष के अनुसार)** पर आधारित है, जिसके अनुसार **वर्ष 2025 में यह 6 जनवरी** को है।
- **गुरु गोबिद सिह जी:**
    - **प्रारंभिक जीवन:** उनका जन्म **22 दिसंबर 1666 को पटना साहिब, बिहार** में हुआ था। वे अपने पिता (गुरु तेग बहादुर, 9 वें सिख गुरु) के उत्तराधिकारी बने।
    - **योगदान:** उन्होंने **वर्ष 1699** में **खालसा पंथ** (जो धर्म और न्याय की रक्षा के लिए समर्पित एक योद्धा समुदाय था) की स्थापना की।
        - इन्होंने **सिख पहचान के प्रतीक के रूप में पाँच 'क' को** प्रस्तुत किया अर्थात **कंघा** (कंघी), **केश** (बिना कटे बाल), **कड़ा** (स्टील का कंगन), **कृपाण** (तलवार), और **कच्चेरा** (शॉर्ट्स)।
        - उनके बेटों **ज़ोरावर सिह (उम्र 7 वर्ष) और फतेह सिह (उम्र 9 वर्ष)** की सरहिद के गवर्नर **वज़ीर खान** ने इस्लाम धर्म अपनाने से इनकार करने के करण हत्या कर दी।
            - उनके दो बड़े बेटों **अजीत सिह और जुझार सिह** ने **चमकौर के युद्ध (1705)** में अपने प्राणों की आहुति दे दी, जिसमें एक **छोटी सिख सेना ने मुगलों तथा पहाड़ी राजाओं** से युद्ध किया था।
            - उनकी शहादत को याद करने के लिए **26 दिसंबर को 'वीर बाल दिवस'** के रूप में मनाया जाता है।
        - **पंज प्यारे:** गुरु गोबिद सिह ने **पंज प्यारे नामक संस्था** की स्थापना की, जिसके तहत **उन्होंने बलिदान के लिए पाँच सिर** मांगे और पाँच लोगों ने स्वेच्छा से उनकी मांग पर प्रतिक्रिया दी।

**और पढ़ें:** गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/358th-birth-anniversary-of-guru-gobind-singh-ji